क्षेत्रवार वर्गीकरण

'क', 'ख' और 'ग' क्षेत्र में हिन्दी

- राजभाषा नियम, 1976 में हमने देखा कि हिन्दी बोले जाने और लिखे जाने की प्रधानता के आधार पर सम्पूर्ण भारतवर्ष को तीन क्षेत्रों में बाँटा गया है : 'क' क्षेत्र, 'ख' क्षेत्र एवं 'ग' क्षेत्र। 'क' क्षेत्र के अन्तर्गत वे राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्र आतें हैं जहाँ की बोली ही हिन्दी है। 'ख' क्षेत्र वे राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्र हैं जहाँ की भाषा हिन्दी न होने के बावजूद अधिकतर स्थानों में हिन्दी बोली और समझी जाती है और 'ग' क्षेत्र के अन्तर्गत वे राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्र आतें हैं जहाँ की बोली हिन्दी न होकर उनकी प्रान्तीय भाषा है। 'क' क्षेत्र, 'ख' क्षेत्र एवं 'ग' क्षेत्र का विभाजन निम्नलिखित सारणी से समझा जा सकता है :

'क' क्षेत्र	'ख' क्षेत्र	'ग' क्षेत्र
बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखड, उत्तराखड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्य तथा अडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली सघ राज्य क्षेत्र	गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़, दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र	ओड़िशा, बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालेण्ड, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोराम, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्णाटक, आन्ध्र प्रदेश, केरल

राजभाषा नियम, 1976
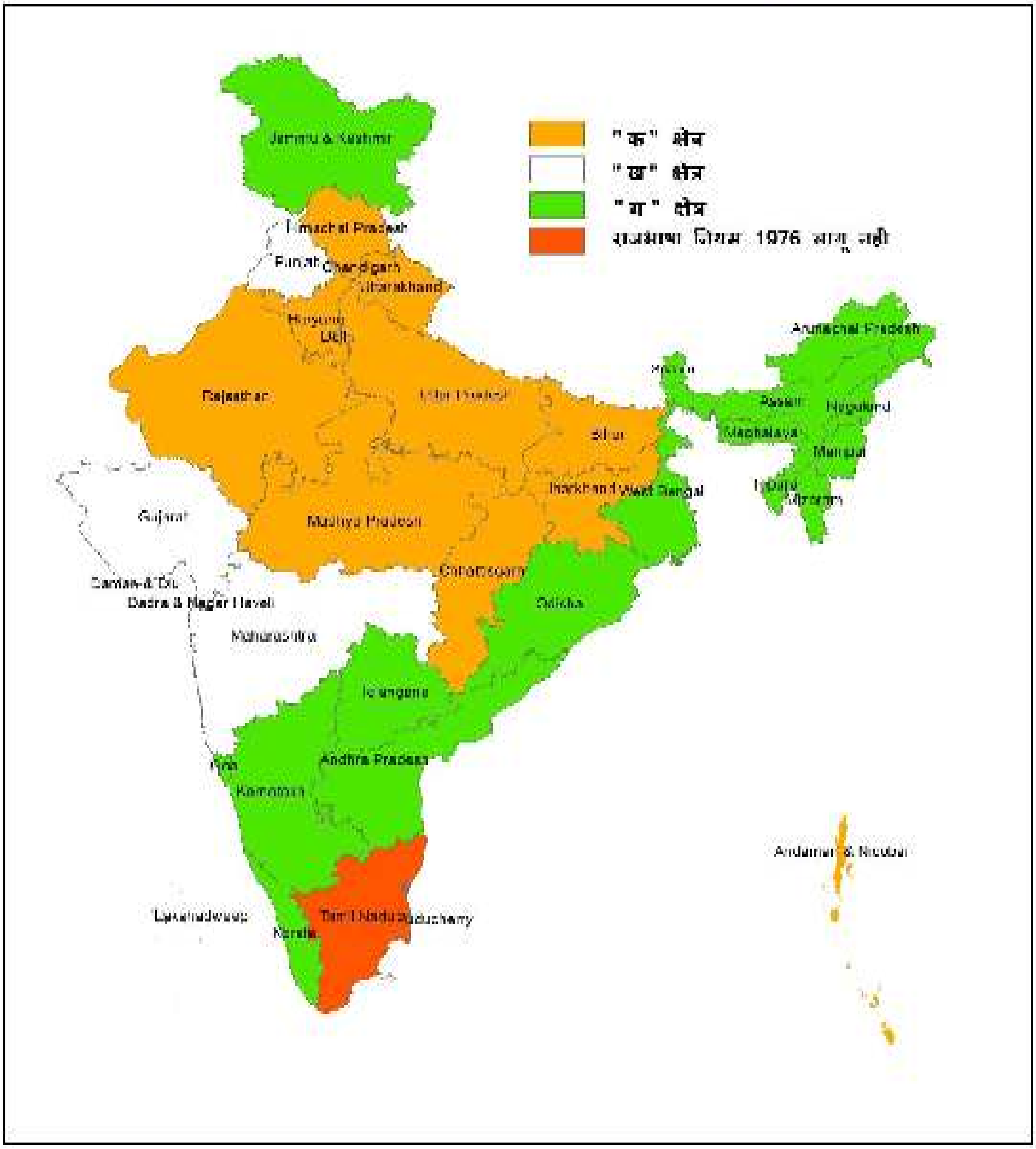
हिंदी के अनुमानित ज्ञान के आधार पर देश के राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को तीन क्षेत्रों, यथा - क, ख, ग में परिभाषित किया गया है